High Court A Ro / Typist – 2014 (Main)

No. of Printed Pages : 7

UNK-04

2014

हिन्दी भाषा

प्रश्नपत्र-II

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

नोट *: (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके अन्त में इंगित हैं ।

(iii) एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यत: एक साथ दिया जाए ।

(iv) पत्र लेखन सम्बन्धी प्रश्न के उत्तर में अपना नाम, पता तथा अनुक्रमांक न लिखें । यदि अनिवार्य हो तो क्ष, त्र, ज्ञ लिख सकते हैं ।

1. मुहावरे एवं लोकोक्ति, पर्यायवाची, विलोम शब्द : **5 × 4 = 20**

(क) निम्नलिखित आठ विधिक शब्दों में से **पाँच** को वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए :

वैध, अभियुक्त, कानूनी, अभिरक्षा, याचिका, निर्णय, हैसियत, निविदा **5 × 1 = 5**

(ख) निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से **पाँच** का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाइए : **5 × 1 = 5**

(i) लोहा लेना

(ii) आँखें खुलना

(iii) अँगूठा दिखाना

(iv) कमर कसना

(v) अधजल गगरी छलकत जाय

(vi) कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली

(vii) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(viii) जैसी करनी वैसी भरनी

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के पर्यायवाची शब्द (**एक-एक**) बताइए : **5 × 1 = 5**

कमल, इन्द्र, सूर्य, रात, राजा, मेघ, आकाश, पृथ्वी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का **एक-एक** विलोम शब्द बताइए : **5 × 1 = 5**

अंधकार, परतंत्र, उग्र, कटु, सुकीर्ति, छली, दुर्लभ, पाप

2. किसी एक विषय पर **750** शब्दों का निबंध लिखिए । **40**

(1) महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को रोकने के उपाय

(2) जल-संरक्षण की महत्ता

(3) अदालतों में बढ़ते मुकदमों की समस्या का समाधान

(4) युवाओं में आत्मविश्वास ही प्रगति की कुंजी है ।

(5) पर्यावरण-संरक्षण : वैश्विक आवश्यकता

3. निम्नलिखित गद्यांश का सारांश एक तिहाई (लगभग **150**) शब्दों में कीजिए : **20**

जब तक भारतवासी राष्ट्रीय भाषाओं को क्षेत्रीय और जातिवादी नज़रिए से देखते रहेंगे कि तमिल तो तमिलनाडु की, कन्नड़ तो कर्नाटक की, मराठी तो महाराष्ट्र की, गुजराती तो गुजरात की भाषा है, तब तक हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में सच्ची आपसदारी संभव नहीं ! देश के बृहत्तर भू-भाग में हिन्दी बोलने वालों को बड़प्पन दिखाना होगा । हिन्दी को बड़ी बहिन की तरह सचमुच हमारी अन्य भारतीय भाषाओं को गले लगाना पड़ेगा । बड़ी बहिन को अपनी छोटी बहनों पर दिल से प्यार लुटाना होगा ।

हिन्दी उर्दू तो सहोदराएँ हैं । हिन्दुस्तान के तत्कालीन लश्करी परिवेश में ही जनमी उर्दू हिन्दी के साथ-साथ पली-बढ़ी है । उस काल के लश्कर (सेना) में कोई मंगोल होता था तो कोई तुर्क । कोई ईरानी होता था तो कोई कुर्द । इसीलिए उर्दू भाषा में अनेकानेक बोली-बानियों के शब्द शामिल हो गए । चूंकि उस काल का लश्कर हमारी सरज़मीन पर ही युद्ध-रत था, इसलिए हिन्दवी के शब्दों का उसमें मिल जाना स्वत: स्फूर्त था । फलस्वरूप प्रारंभिक तौर पर लश्करी जुबान उर्दू अनेक बोली-बानियों को आत्मसात कर लेने वाली खिचड़ी भाषा के रूप में ही दृष्टिगोचर हुई । लेकिन, उर्दू भाषा को माधुर्य और तरतीब दी उसकी शायरी ने, जो तरह-तरह की उप-काव्य-विधाओं की यात्रा करती हुई, अन्तत: परवान चढ़ी उर्दू ग़ज़ल के रूप में । उर्दू ग़ज़ल ही एक प्रकार से उर्दू भाषा की मुख्य काव्य-विधा है, जिसकी समृद्ध काव्य-परम्परा कई शताब्दियों में फैली हुई है । वह अपनी विशिष्ट काव्य-शैली, शब्दों की मितव्ययता, उद्धरणशीलता और अचूक व्यंजना के कारण, न केवल एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में सुनी, पढ़ी और सराही जाती है । हिन्दी में आए उर्दू शब्द ऐसे रच-बस गए हैं कि वे अब पराए नहीं लगते । वास्तव में हिन्दी की सबसे बड़ी खूबी यही है कि उसने भारतीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेजी, उर्दू, फ्रेंच और पुर्तगाली के शब्दों को आत्मसात करके सदा के लिए अपना बना लिया है । यही हिन्दी की शक्ति भी है ।

4. व्याकरण संबंधी सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । **50**

(क) निम्नलिखित वाक्य किस 'काल' (Tense) को व्यक्त करते हैं ? **5 × 1 = 5**

(i) भारत सोने की चिड़िया कहलाता था ।

(ii) यह लड़का मथुरा जाता है ।

(iii) सुमन हँसेगी ।

(iv) शायद मोहन कल आए ।

(v) हम यहाँ आते रहेंगे ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में 'वाच्य' (Voices) बताइए : **5 × 1 = 5**

(i) लड़कियाँ गीत गा रही हैं ।

(ii) राम द्वारा पत्र लिखा जा रहा है ।

(iii) यह अपमान सहा नहीं जाता ।

(iv) शिष्य अपना पाठ पढ़ चुका है ।

(v) रोगी से खाँसा नहीं जाता ।

(ग) निम्नलिखित पाँच शब्दों के प्रयोग से सार्थक वाक्य बनाइए : **5 × 1 = 5**

संस्कृति, स्त्री, सिन्दूर, सौभाग्य, प्रतीक

(घ) निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार 'रूपान्तरण' कीजिए : **5 × 1 = 5**

(i) मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई । (संयुक्त वाक्य बनाइए)

(ii) परिश्रमी व्यक्ति सदा सफल होते हैं । (मिश्र वाक्य बनाइए)

(iii) सूर्य निकला और पक्षी चहचहाने लगे । (सरल वाक्य बनाइए)

(iv) रवि मेले में नहीं गया, क्योंकि बीमार है । (संयुक्त वाक्य बनाइए)

(v) उसने खाना खाया और चला गया । (संयुक्त वाक्य बनाइए)

(च) निम्नलिखित वाक्यों में से उप-वाक्यों को छाँटकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

(i) वहाँ तो अनेकों व्यक्ति खड़े थे, मैं क्या करता ?

(ii) वह सातवीं कक्षा में पढ़ता है, मेरी कक्षा में नहीं है ।

(iii) सीता छत पर खेल रही है, जहाँ जाना वर्जित है ।

(iv) मेरे को पढ़ना है, क्योंकि परीक्षा सिर पर है ।

(v) मैं आप पर श्रद्धा रखता हूँ, जो स्वार्थ प्रेरित नहीं है ।

(छ) खाली स्थान पर 'प्रासंगिक' शब्द रखकर वाक्य पूर्ण कीजिए । $5 \times 1 = 5$

(i) युद्ध में सैनिक _____ हैं ।

(ii) विद्यार्थी को _____ से ही सफलता मिलती है ।

(iii) कम्प्यूटर से सूचना जगत में _____ हो गई है ।

(iv) शिक्षक को _____ होना ही चाहिए ।

(v) ताजमहल _____को आकर्षित करता है ।

(ज) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त 'क्रियार्थक संज्ञाएँ' छाँटिए : $5 \times 1 = 5$

(i) सुमन बीमार थी ।

(ii) हमने मोहन को मूर्ख बनाया ।

(iii) मन्दिर से सिर झुकाकर निकलना ।

(iv) बड़ों की बात मानना अच्छा होता है ।

(v) आज मुझे हलवा बनाना है ।

(झ) निम्नलिखित शब्दों के 'स्त्रीलिंग' शब्द बताइए : $5 \times 1 = 5$

(i) सुत

(ii) साँप

(iii) कीर्तिमान

(iv) विद्वान

(v) सम्राट

(ट) निम्नलिखित वाक्यों में आए 'पूर्वसर्ग' (Preposition) बताइए : $5 \times 1 = 5$

(i) बाल्टी में पानी भरा है ।

(ii) राम नीचे रहता है ।

(iii) कमरे के बाहर दूध रखा है ।

(iv) आँधी से पहले अंधेरा छा गया ।

(v) जब तक वह न आए, यहीं बैठे रहना ।

(ठ) निम्नलिखित शब्दों से **एक-एक** 'सशर्त' (Conditional) वाक्य बनाइए : $5 \times 1 = 5$

'तो', 'जब', 'जैसे', 'ज्यों', 'जहाँ'

5. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : **20**

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी स्वतंत्र भारत के संविधान में, भारत के निर्माताओं ने धर्मनिरपेक्षता की नीति को अपना कर यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्र भारत में मज़हबी कट्टरता या हिंसा को कोई स्थान नहीं है । राज्य की दृष्टि में सभी धर्म समान हैं । सभी को अपने-अपने धर्म का पालन करने की पूर्ण स्वतंत्रता है । फिर भी, अनेक बार सांप्रदायिकता या धार्मिक मदान्धता की चिंगारी समय-समय पर सुलग उठती है, जो स्वतंत्र भारत के मस्तक पर कलंक की भाँति है । इनसे न केवल लोकतंत्र की जड़ें खोखली होती हैं, वरन जन-जीवन भी अस्त-व्यस्त हो जाता है । यह हमारा दुर्भाग्य है कि जिस देश ने समूची मानवता को प्रेम, अहिंसा, शान्ति और भाईचारे का संदेश दिया, उसी देश में धर्म के नाम पर आज भी समय-समय पर खून की होलियाँ खेली जाती हैं । इस मज़हबी टकराव और खून-खराबे के दो कारण हैं – मज़हबी जुनून और राजनैतिक अदूरदर्शिता । अंग्रेजों ने अपने शासनकाल में इस धार्मिक मदान्धता का बीज बोया और 'फूट डालो-राज करो' की नीति चलाकर स्वार्थ सिद्ध किया ।

6. पत्र-लेखन : **15 + 15 = 30**

(क) सरकारी तथा अर्धसरकारी पत्र का अन्तर बताते हुए, राज्य के स्वास्थ्य निदेशक की ओर से मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी को जिले में 'टीकाकरण' का लक्ष्य पूर्ण करने के लिए 'अर्ध सरकारी पत्र' का प्रारूप लिखिए । **5 + 10 = 15**

(ख) कार्यालय आदेश और अधिसूचना का अन्तर स्पष्ट करते हुए, विगत विज्ञापन के सन्दर्भ में 'शुद्धि पत्र' का प्रारूप लिखिए । **5 + 10 = 15**

7. निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए : **20**

हिन्दी उपन्यास का उदय जिन परिस्थितियों में हुआ, उनका अवलोकन करना आवश्यक प्रतीत होता है । अंग्रेजों ने जब भारत पर अपना शासन कायम कर लिया, बहुतेरे राज्यों को अपने शासन में मिला लिया, तब कहीं कोई विरोध या विद्रोह नहीं हुआ । मुसलमान शासक अपनी रूढ़िवादिता और अनपढ़ता के साथ-साथ विलासिता और राजनीतिक दृष्टिकोण के कारण भारतीय समाज पर हावी थे । धीरे-धीरे सोए भारत में जागृति आई, जिसमें पहली चिंगारी 1857 की क्रान्ति ने फूँकी । यह क्रान्ति भले ही असफल हुई और इसका दमन भी निर्दयता से हुआ, इसका एकमात्र लाभ यही हुआ कि सोई जनता में चेतना जागने लगी और अंग्रेजों ने भी अपने स्वार्थ-साधन के लिए ही सही, अनेक सुधार किए । विश्वविद्यालयों की स्थापना, हाईकोर्टों की स्थापना आदि का दौर चला ।

1857 की क्रान्ति के बाद ही नवजागरण की प्रक्रिया शुरू हुई । उस समय भारतीय जन-जीवन की चेतना और विचार शक्ति निष्क्रिय हो चुकी थी । सामाजिक जीवन महत्त्वहीन हो चुका था और आर्थिक बोझ तले वह पूर्णतया दब चुका था । नारी की स्थिति तो और भी दयनीय थी । उसे कोई अधिकार प्राप्त नहीं था – वह पति के चरणों की दासी मात्र थी । उसका सारा जीवन रूढ़ियों और परम्पराओं की भेंट चढ़ चुका था । बाल-विवाह, सती-प्रथा, विधवा-विवाह-निषेध और वेश्यावृत्ति का समर्थन आदि अनेक कुरीतियों में जकड़ा हुआ समाज नारी के नारकीय जीवन के लिए धार्मिक रूढ़िवादिता, अंधविश्वासों का सहारा ग्रहण कर, पतन के गर्त में गिरता जा रहा था ।

1857 के बाद धीरे-धीरे धार्मिक और सामाजिक चेतना के फलस्वरूप धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र में कुछ आन्दोलन शुरू हुए । नव शिक्षित भारतीयों ने इन कुप्रथाओं और रूढ़िवादी विचारधारा का विरोध किया । देवी पर नर-मांस चढ़ाने, वंश-वृद्धि की कामना में पुत्रों को गंगा में फेंकने या बलि चढ़ाने, कन्या को जन्म के समय ही मार डालने की नृशंस कुरीतियों को बन्द करने के प्रयत्न हुए । इसी समय अनेक सुधारवादी आन्दोलन शुरू हुए, जिन्होंने धर्म के नवीन स्वरूप को निश्चित करने एवं सामाजिक जीवन में नई चेतना फूँकने का काम किया । इन आन्दोलनों का प्रारंभ राजा राममोहन राय के ब्रह्म समाज की स्थापना से हुआ । इन धार्मिक सुधारवादी आन्दोलनों में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान आर्य समाज के आन्दोलन का रहा । हिन्दू धर्म के पुनरुद्धार में इसका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा । पतनोन्मुख समाज के सुधार, रूढ़िमुक्तता का शंखनाद करके आर्य समाज ने अपनी प्रगतिशीलता का परिचय दिया । आर्य समाज के साथ सनातन धर्म भी प्राचीन संस्कृति को पुनर्जीवित करने में लगा था । इस धर्म को मानने वाला एक वर्ग पश्चिमी सभ्यता का विरोधी था, लेकिन इसके माध्यम से आए परिवर्तन का भारतीयकरण करके स्वीकार करने के पक्ष में था ।